

प्रश्न 10 :- (अमेरिका के आवायात तथा परिवहन के साधनों पर प्रकाश डालें।)

उत्तर :- अमेरिकी औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप आवायात तथा परिवहन के साधनों का अमेरिका में तेजी के साथ विकास हुआ। रेल निर्माण, नहरों के निर्माण आदि के द्वारा उत्पादित माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता था। पहले व्यापार चल मार्ग द्वारा किया जाता था, लेकिन रेल तथा जहाजों के आविष्कार होने के बाद व्यापार का स्वरूप ही बदल गया। रेल निर्माण होने से उसके संबंधित माल की मांग बढ़ गयी। रेल निर्माण से लोहा-इस्पात उद्योग को भी बढ़ावा मिला। आवायात का प्रमुख साधन लड़के भी गये अब राष्ट्रीय राजमार्ग बन गये। इनका निर्माण निजी द्वारा किया गया। दूसरा साधन नहर भी। 1850 ई तक 4000 मील नहरों का निर्माण हो चुका था।

(1) पूँजी की संचयित व्यवस्था :- अमेरिका में उद्योगों की स्थापना के लिये पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध थी क्योंकि बड़े-बड़े व्यापारी व्यापार के द्वारा धन कमाते करके उसी धन को व्यापार में लगा रहे थे। वे अपने धन को व्यापार में इस प्रकार लगाते थे कि उनकी पूँजी तेजी से सुरक्षित रहे तथा लाभ के साथ वृद्धि भी हो रहे रहे। अब कहा जा सकता है कि धन की आवृत्ति से औद्योगिक क्रांति को बढ़ावा मिला।

(2) कृषि उद्योग का प्रभाव :- औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अमेरिका में कृषि के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। नये नये यंत्रों का आविष्कार हुआ जिसके फलस्वरूप देश में मजदूरों का एक बहुत बड़ा भाग बेरोजगार हो गया। इन बेरोजगारों द्वारा कारखानों में सस्ती मजदूरी पर काम मिलने लगा। इस प्रकार कृषि क्रांति के फलस्वरूप औद्योगिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त हुआ।

(3) राष्ट्रीयता का विकास :- यूरोपीय राज्यों में तेजी से राष्ट्रीयता की भावना जाग्रत हो चली थी। प्रत्येक देश उत्पादन के साथ-साथ-साथ राष्ट्र की उन्नति के लिए भी काम कर रहे थे। बड़े-बड़े उद्योगों द्वारा देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान कर रहे थे। देश की समस्त जनता समर्पित भाव से इन कार्यों में लगे हुई थी, जिससे राष्ट्र की उन्नति हो सकी। इस राष्ट्रीयता की भावना से औद्योगिक क्रांति को बल मिला।

इसलिए कहा जा सकता है कि अमेरिका की औद्योगिक क्रांति कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, इसकी रूपरेखा तो पहले ही तैयार हो गयी थी। औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अमेरिका की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो गयी।

समाप्त